इंफो इंडिया

पोर्ट ब्लेयर, बृहस्पतिवार 8 सितम्बर, 2022, Phone : (03192) 230269/230230 Fax : (03192) 234325, E-mail : infoindiahindi201

सीआईएआरआई के वैज्ञानिक टैक्सोनॉमिक रूप से गुप्त मीठे पानी की मछली प्रजातियों का पुन: वर्णन करते हैं

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितम्बर। डॉ. एकनाथ बी. चाकुरकर, निदेशक, भाद्धअनुप-सीआईएआरआई के तकनीकी मार्गदर्शन में भाद्धअनुप-केंद्रीय द्वीप द्धरिा अनुसंधान संस्थान (सीआईएआरआई), पोर्ट ब्लेयर के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक नई प्रजाति का पुन: वर्णन किया है। अंडमान द्वीप समूह से सिसिओप्टेरस गर्रा। प्रजाति का वर्णन पहली बार 1925 के अंत में ब्रिचगंज प्रकार के इलाके के एक आसन्न इचिथोलॉजिस्ट डॉ सुंदर लाल होरा द्वारा किया गया था। टैक्सोनॉमिक रूप से गूढ़ प्रद्धति के कारण, प्रजातियों को दक्षिण-पूर्व एशिया से जाने वाली प्रजाति सिसिओप्टेरस माइक्रोसेफालस के साथ मिला दिया गया था। 90 से अधिक वर्षों तक, सिसिओप्टेरस गर्रा नाम अमान्य रहा और शोधकर्ताओं द्वारा इसका उपयोग नहीं किया गया। फ्रेंच म्यूजियम, पेरिस, जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता और ठाकरे वाइल्डलाइफ फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से वैज्ञानिकों की एक टीम, जे. प्रवीणराज, डॉ. आर. किरूबा-शंकर, और आईसीएआर-सीआईएआरआई के डॉ. के सरवनन ने लाइव जांच की। डीएनए अध्ययन के साथ नमूने और अंडमान से इन द्वीपों के लिए अद्वितीय और स्थानिक होने की पुरिट की। यह खोज उल्लेखनीय है, क्योंकि यह अंडमान द्वीप समूह से वर्णित तीसरी स्थानिक मीठे पानी की मछली प्रजाति है। यह अध्ययन द फिशरीज सोसाइटी ऑफ द ब्रिटिश आइल्स की एक प्रतिरिठत पत्रिका जर्नल ऑफ फिश बायोलॉजी (विले-ब्लैकवेल) में प्रकाशित हुआ था।